

कोमाविपूजाविधिरथा॥

॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥

सखाया॥ अथ पाक्षिग्रहविधिमाह॥ अलिंयिनायलसाक्षिपवि कभनम्यपना

लिचास्यगुबूमधुलपवे

गर्वसाधन सिद्धकथमधुलथिल किननम

धुलविसर्जन समाधि

आधिवासन अग्निस्थायन वावृषिसाधन

विधिवदवकापूजा॥ ॥

यिखालषूसहलिमाचालस्यस्य निष्कस्तिप

वृष आजुमसकस्य गवचविथका निष्कसन गुबूमधुलदन क विसर्जन स्वांगस्यैरा

वना गगनस्वहृत्तस्य आः कावेविहावाप्रणिमादवकावामपा र्वमूडास्त्रिका

पालीगुरु ॥

आशा मरुतधि
ASNA ARCHIVES

1.532

वृषभनिष्याशास्त्रद्वयासूर्यप्रकिमादिदवकायावामपारर्ष्यपञ्चडासननिषय॥
वज्रसूत्रा॥ भा० सुवज्रनयानिलोङ्गन॥ वाहाग्निवक्त्रा॥ भा० उ० अ० गुरुअलक
यानस्वाकचकंदारस्त्री
नहंस्वाहा॥ अ० म्वलहाम्
धवः० कीचनपर्वगाहसि
अपश्यन० सुर्मीगलम्वकुआनिधलनवा॥ सुनापद्व० प्रवचस्वकम्या० रथा
कासुलाकनवदवपू० ध० म्माहम० अ० नि० क० न० प्र० जानी० सुर्मीगलीरुवकुआनि

धूनाडाहाय॥ अ० सर्वकथागककायविर० अ० ध
कुअलरवेस्त्रान॥ अ० र्मीगलस्यादि॥ ल० श्री
लाकनाथसि० म० ल० प्र० हीन० वृद्धावीवृद्धाम्ब

कवेकवायः॥सर्वमयूकः॥श्रुगर्भगलायः॥सधानृदवास्तुबदक्रिशीयः॥यः॥श्रीनिवास्तः॥
धुवनागक्षानो॥कल्मीकलीरवकुष्मन्तिककवेकवायः॥यद्वज्रलाञ्छवज्रमाल्यसंगीत
नृत्ययत्यव्यधयवचदोषवि
गीर्णसुर्मीकुलीरवकुपन
ऊँजिह्वाकूकूमकृष्णनि
गवचः॥का॥सिंधव॥यलस्वी॥द्रुतस्की॥सिद्धारंगेलावीधलि॥थ्वक॥अष्टमगलजोष
धिरुर्षी॥थका॥लिनंदिगवांसंलगलाय॥पूर्वनंसिद्धलच्छायक॥रंगेलावनंनिष्क

किचक॥ प्रवृषयागशवना॥ शुभ्रमाकनूसाहिन्नवाधिविहस्रवृषंहावयित्वा॥ कना
 स्वहृदयस्थवीजाङ्गनेनानालाकभाउहृ॥ बित्वागूकनिहृहृवनेगत्वा॥ कस्मादाकष्यः
 आप्रवृषलीनेचिकथन्॥ नि
 वलासहोका॥ कन्यादानविय
 शुलवाउका॥ गमथापर०न्॥
 गृहीत्वापाक्षिनापाक्षिवृद्धकृष्णप्रकृष्टिका॥ यनसूयनमनार्थकामार्थपविप्रवियन्॥
 वायथाया॥ कूलउरिलेखधवारइक्ष्वावाथया॥ नेमसूयकान्ता००॥ कानसस्वस्तिचा

स्यै निलो जनलाहा गिरिका अलिने गायवाक् ॥ अंसर्ववृद्धचूणमसि वका श्रीषवरश्च
किष्टरुद्रस्वाहा ॥ अंवका हास समयमनूस्मवस्वाहा ॥ अग्वक्षे गाय ॥ माउनाय ला
नकीसि रं लया ॥ सा च कउय
विया ॥ ॥ थन आहू कि वि
जा ॥ जिष्या विवासन ॥ मधु
पन्न आनी वाद सग्वै महनि काय चक पूजा दगु समय कोमा वि काय ॥ झाग्व च वि
यका ॥ चलि जा दउ या न काय ॥ वाकि १ ऊ जान कस्ये अधि दान याय ॥ अं दिव्या न समा

संसारक ॥

अनघो नन स्वाहा ॥ च लू जानि प्रस्था र्गन क इर नान क ॥ गवल सग्वी विय ॥ सह ला ऊन
विधिर थै वृ मां गभ दि ॥ भू ख सु दि ॥ आ दू का य ॥ सम या च क ॥ १४ ॥ वा हू कि वि स र्ग न ॥
अ ग्व न धा ल हा ऊन ॥ १५ ॥
अ न न ॥ आ व ज स स्वा य ॥
ग्व न म ग क र्क सि द्ध म
क र्क वा या लू मा या क र्क व ह ह न उ क मा नि स र्ग का ॥ अ न द मा स र्क र्क य कि पा दिं स्था
प ना या य ॥ ह र्क र्क र्क र्क र्क र्क ॥ गु व म हू ल य च र्ग र्क ॥ १६ ॥ ध न सि द्ध न य म हू ल वि स

आ ग म म र्क र्क र्क
ASHA ARCHIVES

1.532